an>

Title: Need to impose ban on export of meat from the country.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए यह मांग करता हूं कि मांस के निर्यात की वजह से निरंतर पशु वधशालाओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है एवं दुधारू पशुओं की कमी होती जा रही है। यह हकीकत है कि उत्तर प्रदेश में महंगे से महंगे दुधारू पशुओं की चोरी की घटनाएं बहुत बड़ी हैं, जिन्हें सीधे वधशालाओं में ले जा कर काटा जा रहा है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार इसे रोक नहीं पा रही है। दुधारू भैंसों व गौवंश को छोड़ कर जानवरों की किसी प्रजाति की संख्या इतनी नहीं है कि इन पशु वधशालाओं की संख्या की पूर्ति कर सके। इससे सिद्ध होता है कि दुधारू पशुओं को निरंतर काटा जा रहा है। परिणामस्वरूप उक्त प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं।

मेरा सरकार से आग्रह है और मैं आश्वासन भी चाहता हूं कि पशु वधशालाओं का सर्वेक्षण करा कर जो अवैध पशु वधशालाएं हैं, उन्हें बंद कराया जाए तथा उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाए और जिन्हें लाइसेंस दिया गया है, उनके लाइसेंस रद्द करके वधशालाओं को बंद कराया जाए। जिस तरह से गौ मांस पर प्रतिबंध है, उसी तरह से मांस का निर्यात खुला होने के कारण गौवंश सहित सभी प्रकार के पशुओं का वध हो रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि सभी तरह के मांस के आयात तथा निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।